CLASS-IX 9/2012

विषय : हिन्दी (SET-II)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 90**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर दीजिए : (1x5=5)

मनुष्य का अपने कर्म पर अधिकार है। वह कर्म के अनुसार फल प्राप्त करता है। अच्छे कर्म करने से फल भी अच्छा मिलता है। बुरे कर्म का परिणाम बुरा होता है। कर्म करना बीज बोने के समान है। जैसा बीज होता है वैसे ही पेड़ और वैसे ही फल होते हैं। एक कहावत है - बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से खाय इसलिए बड़े-से-बड़े अपराधी अंततः बुरी मौत मरते हैं। जो बेईमानी से धन कमाते हैं, उनके बच्चे बेईमान और दुश्चरित्र बनते जाते हैं। उनकी बुराई का परिणाम उन्हें मिल ही जाता है हमारा व्यक्तित्व हमारे कर्मों का ही प्रतिबिंब है। अगर हम आजीवन कुछ पाने के लिए भागदौड़ करते हैं तो इससे हमारा जीवन ही अशांत होता है। एक छात्र परिश्रम की राह पर चलता है तो उसे सफलता तथा संतुष्टि का फल प्राप्त होता है। दूसरा छात्र नकल और प्रवंचना का जीवन जीता है। उसे जीवन भर चोरों, ठगों और धोखेबाजों के बीच रहना पड़ता है। दुष्ट लोगों के बीच जीना भी तो एक दंड है, अशांति है। अतः मनुष्य को पुण्य कर्म करने चाहिए। इसी से मन में सच्चा सुख जागता है, सच्ची शांति मिलती है।

(i) कर्म करना बीज बोने के समान क्यों कहा गया है?

(क) कर्मों के अनुसार भाग्य बनेगा

(ख) बीज माटी में गल जाता है कर्म भी मिट जाता है

(ग) कर्म बीज है और उसका परिणाम है कर्म फल

(घ) कर्म के अनुसार फल नहीं मिलता

(ii) 'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से खाय' का भावार्थ है -

(क) अच्छे कर्मों का परिणाम बुरा होगा (ख) बुरे कर्मों का परिणाम अच्छा होगा

(ग) अच्छे कर्मों का ही परिणाम अच्छा होता है (घ) कर्म का संबंध भाग्य से होता है

(iii) परिश्रम की राह पर चलने वाला छात्र क्या प्राप्त करता है -

(क) अशांत जीवन (ख) सफलता और संतुष्टि

(ग) खुशी (घ) धोखेबाज़ी

(iv) दुष्ट लोगों के बीच रहने को 'दंड' क्यों कहा है? क्योंकि -

(क) दुष्ट संगठित नहीं होते

(ख) दुष्टों में परस्पर प्रेम नहीं होता

(ग) दुष्टों में रहने से व्यक्ति अपने कर्मों को बिगाड़ लेता है

(घ) दुष्ट को चैन नहीं मिलता

(v) प्रवंचना शब्द का क्या अर्थ है?

(क) बाँचना (ख) वंचित रहना

(ग) भ्रष्ट होना (घ) ठगी

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प छाँटिए - (1x5=5)

आज़ादी से पूर्व सभी धर्म, जाति तथा संप्रदाय के लोगों ने भेदभाव से परे हटकर अंग्रेज़ों से संघर्ष किया था परिणामस्वरूप अंग्रेज़ों को इस देश की धरती को छोड़कर जाना पड़ा। यदि जाति तथा संप्रदायें बीच में खड़े हो जाते तो भारत का आज जो मानचित्र है बदला होता। आज बंधुत्व, प्रेम तथा सद्भावना का स्थान घृणा तथा हिंसा ने ले लिया है। आज रंतिदेव, कर्ण तथा राजा हरिश्चंद्र जैसे दानी तथा त्यागी महापुरुष कहाँ हैं जिन्होंने अपनी बात तथा दान की ख़ातिर अपने प्राणों को विसर्जित करने में भी तनिक संकोच नहीं किया। येन-केन-प्रकारेण वर्तमान जीवन को सुखमय बना लिया जाए आगे की क्या सोचना। यह भावना नैतिकता का ह्रास करने वाली है। रावण, कंस, हिटलर तथा मुसोलिनी अत्याचार के बल पर कितना सफल हो सके यह बात सबके समक्ष प्रत्यक्ष है। थोड़े समय के लिए इन्होंने अत्याचार करके भले ही संतोष कर लिया हो लेकिन अंत में उनका जीवन नारकीय बना। धर्म तथा नैतिकता का चोली दामन का साथ है भारतवर्ष ने धर्म को सदा से अपने जीवन में प्रमुख स्थान दिया है।

(i) भारत की आज़ादी से पहले समाज की स्थिति थी -

(क) सभी लोग एक-दूसरे के विरुद्ध थे

(ख) सभी धर्म, सम्प्रदाय और जाति के लोग मिलकर रहते थे

(ग) सभी लोग अंग्रेज़ों के विरुद्ध थे

(घ) सभी अंग्रेज़ों से डर कर रहते थे।

(ii) अंग्रेज़ों को भारत क्यों छोड़ना पड़ा?

(क) सेना ने उनकी आज्ञा मानना बंद कर दिया था

(ख) भारतीयों ने भेदभाव को भुला कर संघर्ष किया था

(ग) शासन करने की अवधि समाप्त हो गई थी

(घ) भारतीय अपने-अपने धर्मों को श्रेष्ठ समझने लगे थे

(iii) सिर्फ वर्तमान को सुखमय बनाने की भावना नष्ट कर रही है :

(क) आर्थिक स्थिति को (ख) आध्यामिकता को

(ग) नैतिकना को (घ) सामाजिकता को

(iv) आज समाज में अभाव दिखाई देता है :

(क) शिक्षा का (ख) स्वच्छता का

(ग) नैतिक पुरुषों का (घ) साधु-संतों का

(v) 'विसर्जित' में मूल शब्द हैं :

(क) विस (ख) विसर्जि

(ग) विसर्जन (घ) विसार्जन

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटिए :- (1x5=5)

संकटों से वीर घबराते नहीं
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।

लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरिशृंग ऊपर चढ़ चले।
कठिन पथ को देख मुसकाते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा।
यह 'असंभव' कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ ज़िंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ' शक्ति बिन।

(i) 'गिरिशृंग' शब्द का अर्थ है -

(क) गिरने वाला सींग (ख) पहाड़ की चोटी

(ग) पर्वत शृंखला (घ) गायों का रास्ता

(ii) 'लग गए जिस काम में पूरा किया' पंक्ति से बोध होता है व्यक्ति के -

(क) परिश्रमी होने का (ख) चतुर होने का

(ग) श्रम का आदर करने का (घ) श्रमहीनता का

(iii) कवि ने सफल-सार्थक जीवन के लिए बताया है -

(क) उत्साही होना (ख) आलसी होना

(ग) अधिकार पाना (घ) वाचाल होना

(iv) 'संकटों के बीच वे गाते सदा' का अर्थ है -

(क) संकट आने पर काम छोड़ गाने लगना (ख) संकटों की परवाह न करना

(ग) संकटों में ही काम करना (घ) गाते-गाते बीच में संकट आ जाना

(v) उपयुक्त शीर्षक होगा -

(क) वीर योद्धा (ख) संकट का सामना

(ग) कर्मवीर (घ) बहादुर आदमी

प्र4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटिए :- (1x5=5)

अहा, कौन यह वीर बाल निर्भीक है
कहो भला भारतवासी! हो जानते
यही 'भरत' वह बालक है, जिस नाम से
'भारत' संज्ञा पड़ी इसी वीर भूमि की
कश्यप के गुरुकुल में शिक्षित हो रहा
आश्रम में पलकर कानन में घूमकर
निज माता की गोद मोद भरता रहा

जो पति से भी बिछुड़ रही दुर्देव-वश
जंगल के शिशुसिंह सभी सहचर रहे
रहा घूमता हो निर्भीक प्रवीर यह
जिसने अपने बलशाली भुजदंड से
भारत का साम्राज्य प्रथम स्थापित किया
वही वीर यह बालक है दुष्यन्त का
भारत का शिर-रत्न 'भरत' शुभ नाम है।

(i) प्रस्तुत कविता किसे संबोधित की है?
(क) कश्यप को (ख) भारतीयों को
(ग) भरत को (घ) दुष्यंत को

(ii) शिक्षा देने वाले गुरु थे -
(क) विश्वामित्र (ख) कश्यप
(ग) वाल्मीकि (घ) परशुराम

(iii) 'कानन' शब्द का अर्थ है -
(क) कान (ख) कर्णाभूषण
(ग) जंगल (घ) जंगली

(iv) भरत के सहचर थे -
(क) साथ पढ़ने वाले (ख) ऋषियों के पुत्र
(ग) शेर के बच्चे (घ) पेड़-पौधे

(v) काव्यांश में वीर भूमि का प्रयोग किस के लिए हुआ है?
(क) ऋषियों की भूमि के लिए (ख) गुरुकुल के लिए
(ग) भारत भूमि के लिए (घ) भरत के क्रीड़ा स्थान के लिए

(खण्ड-ख) (2)

प्र5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए -
(i) स्वास्थ्य (ii) यज्ञशाला (1)

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप वाले दो शब्द छाँटिए -
(i) आशीर्वाद (ii) स्रोत
(iii) कार्यक्रम (iv) ड्रामा (1)

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से वे शब्द छाँटिए जिनमें अनुस्वार का उचित स्थान पर प्रयोग हुआ है -
(i) अंधेरा (ii) दंत
(iii) अंधकार (iv) दांत (1)

प्र6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से वे शब्द छाँटिए जिनमें अनुनासिक का उचित स्थान पर प्रयोग हुआ है -
(i) पांचवाँ (ii) बाँसुरी
(iii) सँगम (iv) पाँचवाँ

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर लगे नुक्ते वाले शब्द छाँटिए - (1)
(i) जग़ल (ii) ज़मानत
(iii) ज़ीवन (iv) ज़िन्दगी

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्दों और उपसर्गों को अलग-अलग कीजिए - (2)
(i) चिरायु (ii) निस्संदेह

प्र7. (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्दों और प्रत्ययों को अलग-अलग करके लिखिए - (2)
(i) पौराणिक (ii) पंडिताई

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के अन्य पर्यायवाची रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - (2)
(i) वस्त्र हमारी मूलभूत आवश्यकता है क्योंकि _____ हमारे शरीर की रक्षा करते हैं।
(ii) बाग में सभी विहग चहक रहे हैं परन्तु एक _____ उदास है।
(iii) चाँदनी रात में _____ चारों ओर छिटकी हुई थी।
(iv) कल हमारे नए घर का _____ प्रवेश है।

प्र8. (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - (2)
(i) नूतन और _____ विचारों का संघर्ष सदा से होता आया है।
(ii) देव और _____ में बड़ा अन्तर है।
(iii) वीर जय और _____ की चिंता किए बिना युद्ध करता है।
(iv) _____ कार्य करने में मनुष्य स्वतंत्र है और सार्वजनिक कार्य करने में परतंत्र।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में ऐसे दो अलग-अलग वाक्यों की रचना कीजिए कि उनके दो अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हों - (2)
कल, अंबर

प्र9. (क) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक उपयुक्त शब्द लिखिएं - (2)
(i) जिसका कोई कारण न हो (ii) जिसमें धैर्य न हो
(iii) अत्याचार करने वाला (iv) अपने ऊपर बीती

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए - (2)
(i) गरम-गरम जलेबियाँ देखकर राधा के मुँह _____ आ गया।
(ii) कोई काम न मिलने के कारण बेचारे दिहाड़ी मज़दूरों के पेट पर _____ पड़ती है।
(iii) बंद दुकान के भीतर से धुआँ निकलते देखकर मेरा तो माथा _____ गया।
(iv) पिताजी को आग _____ होते देखकर मेरा भाई दरवाज़े से ही बाहर भाग गया।

(खण्ड-ग)

प्र10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x5=5)

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी
और आदमी पै तेग को मारे है आदमी
पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी

चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी

(i) 'यां आदमी पै जान को वारे है आदमी' में 'जान को वारना' का अर्थ है -
(क) बलिदान करना (ख) जान फूँकना
(ग) जान निकालना (घ) जान में जान आना

(ii) पगड़ी उतारने का अभिप्राय है -
(क) पगड़ी उतार देना (ख) अपमान सहना
(ग) अपमानित करना (घ) क्रोध प्रकट करना

(iii) 'तेग' शब्द का अर्थ है -
(क) तलवार (ख) कटार
(ग) छुरा (घ) बंदूक

(iv) इस दुनिया में किस-किस तरह के आदमी हैं?
(क) रक्षक (ख) भक्षक
(ग) सहयोग करने वाले (घ) विभिन्न स्वभाव वाले

(v) चिल्लाकर पुकारने पर सुनने वाला क्या करता है?
(क) सहायता (ख) अनसुना
(ग) अनदेखा (घ) दौड़ा चला आता है

अथवा

बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय ॥
रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून ॥

(i) बात का बिगड़ना ऐसा ही है जैसा -
(क) दूध का फटना (ख) दूध को बिलोना
(ग) दूध से दही जमाना (घ) दूध से घी निकालना

(ii) 'लाख करौ किन कोय' में 'किन' का अर्थ है -
(क) कितने (ख) उपाय
(ग) भिन्नत (घ) कष्ट

(iii) 'पानी राखिए' का आशय है -
(क) पानी संभाल कर रखना (ख) मान-सम्मान बनाए रखना
(ग) दूसरों के लिए पानी रखना (घ) प्यास बुझाना

(iv) 'मनुष्य' के संदर्भ में पानी का अर्थ है -
(क) आत्म सम्मान (ख) पेयजल
(ग) सफलता (घ) अभिमान और गर्व

(v) 'मोती, मानुष, चून' के लिए क्रमशः पानी का महत्त्व किस रूप में है -
(क) चमक, इज़्ज़त, जल (ख) जल, चमक, इज़्ज़त
(ग) इज़्ज़त, जल, चमक (घ) चमक, जल, इज़्ज़

प्र11. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए - (2x3=6)

(i) 'धूल' पाठ के आधार पर लिखिए कि पहलवान के लिए अखाड़े की मिट्टी क्या महत्व रखती है?

(ii) लेखक का हृदय बुढ़िया को देखकर व्यथा से क्यों भर गया था? 'दुख का अधिकार' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) कर्नल खुल्लर ने सभी पर्वतारोहियों के चेहरे पर मृत्यु के अवसाद चिह्न देखकर क्या समझाया? 'एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्र12. 'एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा' पाठ में लेखिका के तंबू पर गिरे बर्फ़ पिंड का वर्णन किस तरह किया गया है? विस्तार से लिखिए। (5)

अथवा

'दुख काअधिकार' पाठ के मुख्य भाव को स्पष्ट करते हुए शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

प्र13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

ल्हाटू हमारे पीछे-पीछे आ रहा था और जब हम दक्षिणी शिखर के नीचे आराम कर रहे थे, वह हमारे पास पहुँच गया। थोड़ी-थोड़ी चाय पीने के बाद हमने फिर चढ़ाई शुरू की। ल्हाटू एक नायलॉन की रस्सी लाया था। इसलिए अंगदोरजी और मैं रस्सी के सहारे चढ़े, जबकि ल्हाटू एक हाथ से रस्सी पकड़े हुए बीच में चला। उसने रस्सी अपनी सुरक्षा की बजाय हमारे संतुलन के लिए पकड़ी हुई थी। ल्हाटू ने ध्यान दिया कि मैं इन ऊँचाइयों के लिए सामान्यतः आवश्यक चार लीटर ऑक्सीज़न की अपेक्षा, लगभग ढाई लीटर ऑक्सीज़न प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी। ऑक्सीज़न की आपूर्ति बढ़ाने पर सपाट और कठिन चढ़ाई भी अब आसान लग रही थी।

(i) ल्हाटू के बीच में चलने का क्या कारण था? (2)

(ii) ऑक्सीज़न की आपूर्ति ने बचेंद्री को कैसे प्रभावित किया? (2)

(iii) दक्षिणी शिखर पर कौन-कौन आगे बढ़े? (1)

अथवा

मनुष्य की पोशाकें उन्हें श्रेणियों में बाँट देती है। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्ज़ा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाज़े खोल देती है, परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम ज़रा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

(क) मनुष्य की पोशाक क्या काम करती है? (1)

(ख) 'बंद दरवाज़े खोल देती है' - का क्या तात्पर्य है? यहाँ इसे किस अर्थ में प्रयोग किया गया है? (2)

(ग) पोशाक कब और किस प्रकार बंधन और अड़चन बन जाती है? (2)

प्र14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (3x3=9)

(i) रैदास ने अपने पद में प्रभु के किन-किन गुणों का बखान किया है?

(ii) एक को साधने से सब कुछ किस प्रकार सध जाता है?

(iii) आदमी के स्वभाव की अनेक प्रवृत्तियों पर कवि का दृष्टिकोण 'आदमीनामा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iv) प्रेम की नाज़ुकता को धागे के संदर्भ में स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि का अभिप्राय क्या है?

प्र15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (3+3=6)

(i) गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'स्मृति' पाठ में किन कारणों से लेखक ने चिड़ियों को कुएँ से निकालने का निर्णय लिया?

(iii) 'मेरी रीढ़ की हड्डी में एक झुर-झुरी सी दौड़ गई' - 'कल्लू कुम्हार की उनाकोटी' में लेखक के इस कथन के पीछे कौन-सी घटना जुड़ी है?

प्र16. त्रिपुरा 'बहुधार्मिक' समाज का उदाहरण कैसे बना? 'कल्लू कुम्हार की उनाकोटी' पाठ के आधार पर विस्तार से स्पष्ट कीजिए। (4)

अथवा

'गिल्लू' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?

(खण्ड-घ)

प्र17. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (5)

(क) व्यायाम - सुख का आधार
- व्यायाम अर्थ
- प्रकार
- सुबह-शाम पसीना, स्वास्थ्य, उत्साह

(ख) अतिथि देवो भव
- अर्थ
- भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्थान
- आधुनिक युग में अतिथि का स्थान

(ग) देश-प्रेम
- अर्थ
- देश-प्रेम में त्याग
- देश-प्रेमियों की गौरव-शाली परंपरा
- देश-प्रेम की अनिवार्यता

प्र18. पुस्तकालय की उपयोगिता बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए (5)

अथवा

माताजी के द्वारा भेजी गई कहानी की पुस्तक के लिए धन्यवाद करते हुए माताजी को पत्र लिखिए।